नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केपेक्सिल के पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

केपेक्सिल द्वारा आयोजित इस समारोह में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज जिन उद्यमियों को सम्मानित किया जा रहा है, आप सबको मेरी ओर से हार्दिक बधाई। यह सम्मान आपके अथक प्रयासों और संकल्प के कारण ही प्राप्त हुआ है। आपकी इस उपलब्धि से निश्चित रूप से देश के व्यावसायिक क्षेत्र के लोगों को और अधिक प्रेरणा मिलेगी।

मुझे बताया गया है कि आपकी संस्था निर्यात संवर्धन के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी संस्था है। अपनी स्थापना के 65 वर्षों में परिषद ने रसायन आधारित और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है।

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि कैपेक्सिल में मात्र बड़े उद्यमी ही नहीं हैं बल्कि इसके लगभग 60% सदस्य एम एस एम ई सेक्टर से हैं।

भारत के कुल निर्यात में केपेक्सिल का शेयर 7.5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक है जो इस संगठन और इसके सदस्य निर्यातकों के महत्व को दर्शाता है।

आज हम वैश्वीकरण के युग में हैं। आर्थिक एवं औद्योगिक सेक्टर का वैश्विक स्तर पर इंटीग्रेशन हो रहा है। यह एक कनेक्टेड विश्व है। और इस विश्व में लोग उत्पादन के लिए, मैन्युफैक्चुरिंग के लिए वहाँ जाएंगे जहां उन्हें सुविधा मिलेंगी। और हमारा भी यही उद्देश्य है कि किस प्रकार हम अपने देश की क्षमता और संभावनाओं का अधिकतम उपयोग करें।

आप सभी व्यावसायिक क्षेत्र से हैं। और आप समझते हैं कि किस प्रकार भारत का आर्थिक एवं औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हम नई सोच

और नई ऊर्जा से काम कर रहे हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हमारी सरकार का फोकस एरिया है।

और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे देश में एक ऐसी सरकार है जो एक दूरगामी सोच के साथ काम कर रही है। ऐसे निर्णय ले रही है जिससे हमारे नौजवान, हमारे उद्यमी, हमारे निर्माता अपनी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग कर सकें।

एक माहौल, एक वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि आज का विश्व जो आर्थिक अवसर दे रहा है उसका अधिकतम उपयोग किया जा सके। कोविड महामारी के समय जब विश्व में सप्लाइ गैप आया तो हम आगे आए और अपने लिए ही नहीं बल्कि विश्व के लिए निर्माण किया। जब नीति स्पष्ट हो, और संकल्प अटल हो, तो हम सभी कठिनाईओं को पार कर सकते हैं।

यह इसलिए है क्योंकि भारत ने आपदा और मुश्किलों के समय को आर्थिक सुधार के अवसर में परिवर्तित किया। पिछले कुछ वर्षों में जो रिफार्म्स किये हैं, उनसे भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में लगातार बढ़ोतरी हुई है। उद्योगों को फलने फूलने का अवसर मिला है। रेड टेप के स्थान पर हम रेड कारपेट बिछा रहे हैं।

नीतिगत और लेजिस्लेटिव ढांचे बनाए जा रहे हैं ताकि देश के अंदर आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो। जीएसटी और इंसाल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड के लागू होने से देश में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्र, जिनको प्रतिबंधित माना जाता था, आज निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं।

हमारी सरकार हमने पब्लिक सर्विस डिलिवरी और गुड गवर्नेंस पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया है। टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से भारत ने फाइनेंसियल इन्क्लूजन की ओर एक बड़ी

छलांग लगाई है। आज यह बात स्पष्ट हो रही है कि आर्थिक समृद्धि के द्वार समाज के सभी वर्गों के लिए खुल गए हैं। आज अवसरों की कोई कमी नहीं है।

मुझे प्रसन्नता है कि आज एमएसएमई, देश में रोजगार के अवसर पैदा करने वाला एक बड़ा क्षेत्र हो गया है, इस सेक्टर से देश के जीडीपी में **29** प्रतिशत योगदान हो रहा है। देश का लगभग आधा निर्यात भी इसी क्षेत्र से होता है।

मित्रों, हमारी सरकार का लक्ष्य है एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण। और इस आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभ हैं- अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, प्रणाली, सशक्त युवा जनसंख्या और मांग। माननीय प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन का उद्देश्य भारत को दुनिया के शक्तिशाली और निवेश और व्यवसाय के लिए सबसे पसंदीदा देशों में से एक बनाना है।
आत्मनिर्भर भारत की व्यापक योजना के तहत देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए भारत सरकार ने कई नीतिगत पहल की हैं। 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल को विदेशी विनिर्माण कंपनियों को आकर्षित करने के लिए व्यापार- अनुकूल सुधारों और प्रोत्साहन योजनाओं द्वारा समर्थित किया गया है।

हाल ही में अनेक उद्योगों और उत्पाद खंडों में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के विस्तार के दायरे को और विस्तारित किया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्वप्न है वर्ष 2047 में, जब हम अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे होने का समारोह माना रहे हों, तो हमारा देश विश्व में सबसे अग्रणी हो। इस स्वप्न को साकार करने में अर्थव्यवस्था के हर एक सेक्टर की भूमिका है, हर एक नागरिक की भूमिका है।

बदलते परिप्रेक्ष्य में वर्तमान परिदृश्य में, देश के एमएसएमई क्षेत्र का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। यह इसलिए भी आवश्यक है कि एमएसएमई सेक्टर देश के हर हिस्से में फैला है।

यह इस स्थिति में है कि हर क्षेत्र की विशेषताओं, हर क्षेत्र की शक्तियों का उपयोग कर एक संतुलित और समावेशी विकास के लिए काम करे।

हमारा देश विशाल है। हमारे यहाँ हर जिले में ऐसे प्रोडक्ट हैं जिनकी क्वालिटी बहुत अच्छी है, लेकिन उचित मार्केटिंग के कारण वह राष्ट्रीय और विश्व बाजार तक पहुँच नहीं पाती। आप सभी एक्सपर्ट सेक्टर के लोग यहाँ बैठे हैं।

आपकी कोशिश होनी चाहिए कि देश के हर क्षेत्र के उत्पाद की विश्व स्तर पर मार्केटिंग हो, ताकि देश का व्यापार भी बढ़े और छोटे निर्माताओं की समृद्धि भी बढ़े।

सरकार 'मेक इन इंडिया' के लिए स्थानीय स्तर पर सप्लाइ चेन बनाने का प्रयास कर रही है, जिससे अन्य देशों पर भारत की निर्भरता कम हो सकती है। एमएसएमई क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए, सरकार लगभग 6000 करोड़ रुपये की लागत वाली 'रेजिंग एंड एक्सिलिरेटिंग परफॉर्मेंस' योजना लेकर आई है। सरकार के इन महत्वपूर्ण प्रयासों से भारत में एमएसएमई क्षेत्र का विकास होगा। और मुझे पूरा भरोसा है कि 21वीं सदी के भारत की जो भी उपलब्धियां होंगी, वह एमएसएमई क्षेत्र की उपलब्धियों पर आधारित होंगी।

आज भारत में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से विकास के मार्ग पर अग्रसर है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद, दुनिया ने 7 प्रतिशत की अनुमानित विकास दर वाली भारतीय अर्थव्यवस्था को आशा की किरण माना है।

आज विश्व अपनी समस्याओं के लिए भारत की ओर देख रहा है। वैश्विक समस्याओं के समाधान के जो भी नए आइडियाज आ रहे हैं, वह भारत से आ रहा है। कृषि से लेकर अंतरिक्ष

तक आज भारत विश्व को नेतृत्व दे रहा है। आपने देखा कि किस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में हमने जी-20 सम्मलेन का ऐतिहासिक रूप से सफल आयोजन किया। यह इसलिए हो पाया है कि हम 'सबका साथ, सबका प्रयास, सबका विश्वास, सबका विकास' के मूलमंत्र के साथ काम कर रहे हैं।

आप सभी को निर्यात के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। परंतु इस सम्मान से आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

आप अपनी इकाई के विकास के लिए तो काम करे हीं, साथ ही आपको युवा उद्यमियों को मेंटर भी करना चाहिए। आपके ज्ञान आपके अनुभवों का लाभ देश के युवाओं को भी मिले। मुझे विश्वास है कि कैपेक्सिल ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए अवश्य काम करेगा।

इसके साथ साथ आप निर्यात राजस्व में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार और एसेट्स के सृजन पर ध्यान केंद्रित करें। इसके अलावा कैपेक्सिल को एक ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिए जिससे यह निर्यातक समुदाय को बेहतर सेवाएँ प्रदान कर सके। यह सूचना आधारित संगठन होना चाहिए जो नवीनतम वैश्विक घटनाक्रमों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाए ताकि सदस्यों को इससे लाभ प्राप्त हो सके। आप नई तकनीकों को अपनाएं और नये बाजारों की तलाश करें और निर्मित किये जा रहे उत्पादों का मूल्यवर्धन करें।

भारत के आर्थिक विकास का फायदा हर वर्ग तक पहुंचे, हर व्यक्ति को मिले, आप सभी को इस सोच के साथ काम करना चाहिए। मैं चाहता हूं कि आप सभी ऐसे इडियाज पर विस्तार से च र्चा करें। मुझे पूरा भरोसा है कि आप लोग जिनके माध्यम से देश का व्यापारिक परिदृश्य बदल रहा है, आपसे भावी विकास का एक निश्चित रोड़मेप मिले ताकि हम और तेजी से विकास कर पाए।

मैं एक बार फिर इस पुरस्कार समारोह में उपस्थित विजेताओं को बधाई देता हूं। आप इस क्षेत्र की श्रेष्ठ प्रतिभा और उद्यमिता का प्रतीक रहे हैं और हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

———